छत्रपति शिवाजी महाराज, रैयत (मेहनतकशों) के राजा

छत्रपति शिवाजी महाराज के महान कार्य न केवल महाराष्ट्र में बल्कि देश के कोने-कोने में प्रसिद्ध हैं। रैयत के उद्धार के लिए उनके महान कार्यों से सभी को परिचित कराने का यह एक छोटासा प्रयास।

रैयत की अपने बच्चों की तरह देखभाल करने वाले छ. शिवाजी महाराज के राज्य में शासन व्यवस्था कैसी थी?

कुछ वतनदार अत्यधिक लगान वसूल कर किसानों को परेशान करते थे। इस अत्याचार से पूरा समाज पीड़ित था। शिवराय ने इस लूट को ख़त्म कर दिया।

अपने अधिकारियों को आदेश

"निर्धारित लगान से अधिक वसूल न करें"

पहला राजा जिसने वतनदारी नष्ट की - छ. शिवाजी महाराज
उन्होंने सैनिकों और अधिकारियों को वेतन देना शुरू कर दिया।

छ. शिवाजी महाराज ने किसानों का ख्याल रखा।

शिवराय ने भूमि माप कर उपज के आधार पर लगान तय करने की प्रणाली शुरू की।

- किसानों को अनाज, बीज, औजार और ज़मीन दी गई।
- कारीगर जातियों तथा अछूतों को भूमि-पट्टे दिये गये।
- किसानों को ब्याज मुक्त ऋण दिया गया।
- सूखे की स्थिति में किसानों का लगान माफ कर दिया गया।

इससे किसानों की आय बढ़ी और हर घर में खुशहाली आई।

स्वराज की स्थापना से पहले, सामंतो की सेना खेतों में घुस जाती थी और खड़ी फसलों को नष्ट कर देती थी। शिवराय का स्वराज की सेना को आदेश-

"खबरदार... किसानों की फसलो को हाथ भी ना लगाए"

"मुहिम पर निकली सेना ने किसानों की खड़ी फसलों के बीच से नहीं गुजरना चाहिए"

छ. शिवाजी महाराज ने महिलाओं का सम्मान किया।

राजमाता जीजाबाई ने छ. शिवाजी महाराज को सभी महिलाओं का आदर करना सिखाया।

बेलवाडी की लड़ाई के बाद विजयी सरदार सकुजी गायकवाड़ ने 27 दिनों तक प्रतिरोध करने वाली शत्रु किलेदार सावित्रीबाई के साथ बलात्कार किया।

शिवराय ने अपने ही सरदार को कैद कर लिया। उन्होंने सावित्रीबाई की वीरता का सम्मान करते हुए उसका जीता हुआ क्षेत्र लौटा दिया।

शिवराय का हुक्म

"कभी बलात्कार मत करो"

कल्याण के पराजित मुस्लिम सूबेदार की बहु को शिवाजी महाराज के सामने लाया गया। शिवराय ने उसे उपहारों के साथ सम्मान पूर्वक वापस भेज दिया।

छत्रपति शिवाजी महाराज सभी जातियों और सभी धर्मों के लोगों का सम्मान करते थे।

- शिवा न्हावी
- मुरारबाजी
- जीवाजी महाला
- मदारी मेहतर
- बाजीप्रभू देशपांडे
- नेताजी पालकर
- हिरोजी फर्जंद
- बहिर्जी नाईक

अनेक मावलों ने स्वराज्य के लिए अपने प्राणों की परवाह नहीं की।

महाराजों ने गोमाजी नाईक की सलाह को जीवनभर अपनाया:

> जिसे राज्य करना है, उसे अठारह जातियों और चारों वर्णों को उनके-अपने धर्म के अनुसार चलने देना चाहिए और उन्हें साथ लेकर सुरक्षित रखना चाहिए।

सैनिकों की नियुक्ति करते समय शिवराय ने कभी भी धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं किया।

- दर्यासारंग दौलत खान — नौसेना प्रमुख
- नूरखान बेग — पहला सरनोबत
- सिद्दी इब्राहिम — अंगरक्षक
- इब्राहिम खान — तोपखाना प्रमुख
- काज़ी हैदर — वकील

शिवराय की आज्ञा: **"सभी अपने-अपने धर्म का पालन करे, इस पर किसी को झगड़ा नहीं करना चाहिए।"**

इसीलिए विभिन्न जातियों और धर्मों के लोगों ने स्वराज की स्थापना में योगदान दिया।

अफ़ज़ल खान को इसलिए मारा क्योंकि वह स्वराज्य का दुश्मन था!

वह कोई हिंदू-मुस्लिम युद्ध नहीं था

अफजलखान के वकील कृष्णाजी भास्कर कुलकर्णी

शिवराय के अंगरक्षक सिद्दी इब्राहिम खान

मृत्यु के बाद शत्रुता समाप्त हो गई.

शिवराय ने प्रतापगढ़ किले पर अफजल खान की कब्र बनवाई और स्वराज के खर्चे पर वहां दिया बत्ती की सुविधा करी।

ना जाति के, ना धर्म के, छ. शिवाजी महाराज रैयत के।

नया स्वराज, नया विचार और नया इन्सान बनाने वाले मानवतावादी राजा छत्रपति शिवराय के नक्शेकदम पर महात्मा ज्योतिराव फुले और राजर्षी शाहू महाराज चले। डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर ने इन विचारों को हमारे संविधान में लाया। छत्रपति शिवराय का सम्मान करने का अर्थ है भारत के संविधान का सम्मान करना।

आइए शिवजयंती के अवसर पर उनके दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प लें।

शिव-शपथ

स्वराज के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर मैं शपथ लेता/लेती हूं कि मैं अपने जीवन में शिवाजी महाराज के आदर्शों का पालन करूंगा/करूंगी। उन्होंने सभी जाति और धर्म के लोगों को साथ लेकर स्वराज्य की स्थापना की। शिवराय का आदेश था कि, "सभी अपने-अपने धर्म का पालन करें; इस पर किसी को झगड़ा नहीं करना चाहिए". मैं कभी भी जाति या धर्म के नाम पर भेदभाव नहीं करूंगा/करूंगी. मैं सभी महिलाओं का सम्मान करूंगा/करूंगी और किसी को भी महिलाओं का अपमान नहीं करने दूंगा/दूंगी. मैं अंधविश्वासों के आगे नहीं झुकूंगा/झुकूंगी. मैं छत्रपति शिवराय के विचारों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाऊंगा/पहुचाऊंगी। यही छत्रपति शिवाजी महाराज को मेरी श्रद्धांजलि होगी। जय जिजाऊ, जय शिवराय!

संविधान जागरुकता अभियान

samvidhanjagar.org samvidhan.jagar

स्वप्निल फुसे: 79723 45764 | डॉ.श्याम मुडे: 94047 08852 | श्रद्धा रेखा राजेंद्र: 92704 78335 | राजाभाऊ करवाडे: 98222 02739